खेल ढाबा

पटना, रविवार, 15 जून, 2025 वर्ष-1 ।। अंक-13 ।। पृष्ठ-4 ।।

डिजिटल समाचार

यह जानना महत्वपूर्ण है...: प्रसिद्ध कृष्णा पेज-04

निगाह स्वर्ण पदक पर पेज-04

रणजी ट्रॉफी के प्रारूप में हुआ बदलाव पेज-02

~~चोकर्स का टैग~~ दक्षिण अफ्रीका चैंपियन

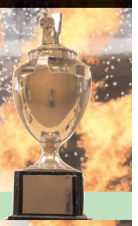

27 साल का इंतजार हुआ खत्म, पहली बार जीता आईसीसी का बड़ा खिताब, डब्ल्यूटीसी के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया हारा

चौथी पारी में 282 रनों का सफल पीछा

लॉर्ड्स में यह दूसरा सबसे बड़ा टेस्ट रन–चेज रहा

लंदन, 14 जून। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम ने शनिवार को लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल 2025 में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने 27 वर्षों बाद कोई बड़ा आईसीसी खिताब जीता और क्रिकेट इतिहास में एक नया अध्याय लिखा।

चौथे दिन का खेल: लक्ष्य सिर्फ 69 रन : फाइनल के चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 69 रन की दरकार थी। टीम ने 2 विकेट पर 213 रन से आगे खेलना शुरू किया और 282 रन बनाकर मैच जीत लिया। यह लॉर्ड्स टेस्ट के 141 वर्षों के इतिहास में लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी जीत है।

एडेन मारक्रम का ऐतिहासिक शतक : टीम की जीत के हीरो रहे एडेन मारक्रम, जिन्होंने शानदार 136 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 207 गेंदों का सामना किया और 14 चौके जड़े। यह पारी तब आई जब टीम को संयम और आत्मविश्वास की जरूरत थी। मारक्रम ने 6 घंटे 23 मिनट तक क्रीज पर टिके रहकर मैच को दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में मोड़ा। जब वे आउट हुए, तब टीम को सिर्फ 2 रन की दरकार थी।

ऑस्ट्रेलिया का संघर्ष : ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी दिन जीत के लिए पूरा जोर लगाया। पैट कमिंस ने शुरुआती ओवरों में आक्रमण तेज किया और तेम्बा बावुमा (66) को आउट करके टीम को थोड़ी उम्मीद दिलाई। लेकिन इसके बाद उनके गेंदबाजों को सफलता नहीं मिली। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती 90 मिनट के खेल में अपने सभी 3 डीआरएस गंवा दिए, जो उनकी हताशा को दर्शाता है।

जीत की खुशी में डूबा लॉर्ड्स : मारक्रम के आउट होने के कुछ मिनट बाद काइल वेरेने (नाबाद 4) ने विजयी रन जड़ा और पूरे लॉर्ड्स मैदान पर दक्षिण अफ्रीकी झंडे लहराने लगे। खिलाड़ी मैदान पर जश्न मनाते दिखे, वहीं ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की आंखें नम थीं। 27 साल लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हुआ।

क्या है इसका महत्व? : 1998 के आईसीस नॉकआउट ट्रॉफी के बाद यह द अफ्रीका का पहला आईसीसी खिताब है। लंबे समय तक 'चोकर्स' कहे जाने वाले इस टीम ने अपने धैर्य और टीमवर्क से इतिहास रच दिया।

संक्षिप्त स्कोर:

ऑस्ट्रेलिया: 212 & 207
दक्षिण अफीका: 138 & 282/5

कब-कब दक्षिणी अफ्रीकी टीम को मिली निराशा?

दक्षिण अफ्रीका वर्षों की निराशा और करीबी हार की निराशाजनक यादों को पीछे छोड़ते हुए लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। दक्षिण अफ्रीका इस खिताब के जश्न में डूबा है लेकिन उसे अतीत में कई मौके पर आईसीसी टूर्नामेंटों में जीत के करीब पहुंच कर हार का सामना करना पड़ा है। पेश है ऐसे मैचों की सूची।

1. 1992 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल : यह परिणाम हालांकि टीम के लिए जज्बे से ज्यादा मौसम की वजह से था। दक्षिण अफ्रीका के लिए प्रमुख मौकों पर फिसलने की शुरुआत सिडनी में हुई। ब्रायन मैकमिलन और डेविड रिचर्डसन क्रीज पर थे और दक्षिण अफ्रीका को सात गेंदों पर 22 रन की जरूरत थी। बारिश ने मैच में खलल डाला और जब खेल फिर से शुरू हुआ तो टीम के सामने एक गेंद पर 22 रन बनाने की चुनौती थी।

2. 1999 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल : दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट इतिहास का सबसे खराब दिन। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज डेमियन फ्लेमिंग द्वारा फेंके गए अंतिम ओवर में उन्हें सिर्फ नौ रन चाहिए थे। लांस क्लूजनर ने पहली दो गेंदों पर चौका जड़ा दिया जिसके बाद टीम को चार गेंद पर एक रन की जरूरत थी। लगातार दो गेंदों पर रन नहीं बने और फिर रन चुराने की कोशिश में आखिरी बल्लेबाज एलन डोनाल्ड रन आउट हो गए। मैच बराबरी पर रहा और ऑस्ट्रेलिया की टीम ने सुपर सिक्स में प्रोटियाज पर अपनी पिछली जीत के आधार पर फाइनल में प्रवेश किया।

3. 2003 विश्व कप, बाउचर ने की बड़ी गलती : सह–मेजबान दक्षिण अफ्रीका को सुपर सिक्स के दूसरे चरण में प्रवेश करने के लिए डरबन में श्रीलंका पर जीत की आवश्यकता थी। बारिश ने जब खलल डाला तब दक्षिण अफ्रीका स्कोर छह विकेट पर 229 रन था। यह डकवर्थ लुईस पद्धति बराबर स्कोर था। अंपायर एस वेंकटराघवन ने जब बारिश के कारण खेल रोकने का फैसला किया तब बाउचर ने मुथैया मुरलीधरन के द्वारा फेंके गये 45वें ओवर की आखिरी गेंद पर कोई रन नहीं लिया। उस समय दोनों टीमों का स्कोर बराबर था और खेल फिर कभी शुरू नहीं हुआ, जिससे दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

4. 2015 विश्व कप न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल : दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित 43 ओवर के मैच में 281 रन का बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया था। न्यूजीलैंड को आखिरी तीन ओवर में 30 रन की जरूरत थी और ग्रैंट एलियॉट ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए डेल स्टेन की आखिरी गेंद पर छक्का जड़कर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

5. 2022 टी20 विश्व में नीदरलैंड के खिलाफ हार: द अफ्रीका को सेमीफाइनल में प्रवेश करने के लिए सिर्फ एक जीत की ज़रूरत थी। एडिलेड में उनका सामना अनुभवहीन नीदरलैंड्स के रूप में एक आसान प्रतिद्वंद्वी से था। लेकिन 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए द अफ्रीका की टीम हार गई। नीदरलैंड्स ने द अफ्रीका को 145 रनों पर आउट कर टीम को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

6. 2024 टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फाइनल : जीत के लिए 177 रन का पीछा करते हुए द अफ्रीका की टीम 16.1 ओवर में चार विकेट पर 151 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी। क्रीज पर हेनरिच क्लासेन और डेविड मिलर जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मौजूदगी में टीम को 26 गेंद में सिर्फ 29 रन चाहिए थे। हार्दिक पंड्या ने क्लासेन को चलता किया जिसके बाद टीम की पारी बिखर गयी। द अफ्रीका आठ विकेट 169 रन ही बना इस खिताबी मुकाबले को सात रन से हार गया।

यह सबसे खास दिनों में से एक है

चैंपियन बनने के बाद दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने कहा कि वर्षों की मेहनत और विश्वास का फल मिला

लॉर्ड्स (लंदन), 14 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023–25 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने 27 वर्षों बाद पहला आईसीसी खिताब अपने नाम किया। वर्षों से 'चोकर्स' की छवि झेल रही अफ्रीकी टीम ने आखिरकार ट्रॉफी उठाई और यह पल टीम, देश और समर्थकों के लिए बेहद भावुक रहा। आइए जानते हैं इस ऐतिहासिक जीत के बाद खिलाड़ियों की प्रतिक्रियाएं रहीं।

कप्तान टेम्बा बावुमा : ये दिन हमारे लिए खास हैं। यह ऐसा लगा जैसे हम अपने घर लौटे हों। टीम ने वर्षों की निराशा और टूटे सपनों के बाद ये मुकाम पाया है। मारक्रम का प्रदर्शन अविश्वसनीय था। हम एकजुट टीम हैं और देश इस जीत का जश्न मना रहा होगा।

केशव महाराज : यह क्षण बेहद खास है। हम सभी के लिए ट्रॉफी उठाना सम्मान की बात है। देश, टीम और हमारे समर्थकों के लिए हम आभारी हैं। यह ट्रॉफी वर्षों की मेहनत और विश्वास का फल है।

एडेन मारक्रम : लॉर्ड्स में शतक लगाना हर खिलाड़ी का सपना होता है। पहली पारी में हालात मुश्किल थे, लेकिन दूसरी पारी में किस्मत ने साथ दिया। बावुमा ने शानदार कप्तानी की और यह जीत लंबे समय तक याद रखी जाएगी।

माकी जेनसन : मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता, बस प्रार्थना कर रहा था कि हम जीत जाएं। ड्रेसिंग रूम में सन्नाटा था, लेकिन जीत के बाद सबकुछ बदल गया। यह सपना साकार हुआ है।

कगिसो रबाडा : हम इस जीत के हकदार थे। कुछ लोग हमारे प्रदर्शन पर सवाल उठा रहे थे, लेकिन हमने ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराया है। पिछले चार दिन हमारे लिए घरेलू माहौल जैसे थे।

लुंगी एनगिडी : मेरे स्पेल ने खेल को बदलने में मदद की। मुझे गर्व है कि हमने इतिहास रचा। यह टीम की मेहनत का नतीजा है।

डेविड बेडिंगम : हम नर्वस थे, लेकिन एडेन और टेम्बा ने बेहतरीन खेल दिखाया। परिस्थितियां हमारे पक्ष में थीं और हम इसका लाभ उठाने में सफल रहे।

काइल वेर्रायने : जब मैं बल्लेबाजी करने गया तो काफी नर्वस था। यह जीत बहुत मायने रखती है। यह एक भावुक पल है जिसे देश लंबे समय तक याद रखेगा।

रायन रिकेल्टन : 280 रनों का पीछा दबाव वाला था, लेकिन मारक्रम की बल्लेबाजी अब तक की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक थी। टीम को स्पष्ट था कि हमें क्या करना है और हमने उसे पूरा किया।

केविन पीटरसन ने की मारक्रम की तारीफ

लंदन, 14 जून। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने शनिवार को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम के शतक को टेस्ट मैचों में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा खेली गई 'सर्वश्रेष्ठ पारी' करार दिया। मारक्रम की 207 गेंदों में खेली गई 136 रनों की पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया पर पांच विकेट से जीत दर्ज की, जिससे प्रोटियाज ने आईसीसी ट्रॉफी जीतने के 27 साल लंबे इंतजार को खत्म किया। 'जियोस्टार' के विशेषज्ञ पीटरसन ने कहा, ''संभवतः टेस्ट मैच क्रिकेट में किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारी। अगर आप दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट इतिहास को देखें तो यह शायद सबसे आक्रमक या मनोरंजक पारी नहीं कही जाएगी। उन्होंने कहा, '' लेकिन जब आप उम्मीद, मंच और पहली पारी में विफल होने के बाद के दबाव को ध्यान में रखते हैं, तो यह असाधारण था। चाहे आप बल्लेबाज हों या गेंदबाज जब आपका देश आप पर भरोसा कर रहा हो और आपको अच्छा प्रदर्शन करना हो तो यह दबाव बहुत अधिक होता है। दक्षिण अफ्रीकी मूल के पीटरसन ने कहा, '' मारक्रम ने (रेयान) रिकेल्टन के जल्दी आउट होने के बाद शानदार प्रदर्शन किया। यह वर्णन करना भी मुश्किल है कि उन पर किस तरह का दबाव था।

तेम्बा बावुमा : लैंगा से लॉर्ड्स तक का सफर

27 वर्षों के लंबे इंतज़ार के बाद दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी की कोई बड़ी ट्रॉफी अपने नाम की और इस ऐतिहासिक जीत के केंद्र में रहे कप्तान तेम्बा बावुमा–वो खिलाड़ी जिनके नाम का मतलब ही 'उम्मीद' है। लॉर्ड्स में मिली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताबी जीत ने न सिर्फ क्रिकेट इतिहास रचा बल्कि सामाजिक समावेशिता और जुझारूपन की भी एक मिसाल पेश की।

तेम्बा बावुमा, जो रंगभेद से उबर चुके दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत टेस्ट कप्तान हैं, उनके कैरियर की शुरुआत में ही उनकी बल्लेबाजी औसत को लेकर उपहास उड़ाया गया, शारीरिक बनावट पर टिप्पणियाँ की गईं, और यहां तक कि उनके नाम तक को तोड़-मरोड़ कर मजाक बनाया गया। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी और अपने नाम के अर्थ–'उम्मीद'–को चरितार्थ करते हुए दक्षिण अफ्रीका को डब्ल्यूटीसी चैंपियन बना दिया।

भावुक लम्हे और ऐतिहासिक जीत: जैसे ही काइल वेर्रायने ने विजयी रन बनाए, बावुमा ने अपने चेहरे को हथेलियों से ढक लिया। उनकी आंखें नम थीं, गला रुंधा हुआ, लेकिन चेहरे पर सुकून और जीत की चमक थी। 27 साल में दक्षिण अफ्रीका की पहली आईसीसी ट्रॉफी, और उस पर भी लॉर्ड्स जैसे प्रतिष्ठित मैदान पर–यह केवल एक

क्रिकेट मुकाबले की जीत नहीं, बल्कि अश्वेत दक्षिण अफ्रीकियों के संघर्ष की प्रतीकात्मक जीत थी।

63 इंच का कद, लेकिन नेतृत्व में ऊंचाई : महज 5 फुट 3 इंच लंबे बावुमा ने उस ऑस्ट्रेलियाई टीम को शिकस्त दी जिसने अब तक 10 आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं। उन्होंने साबित कर दिया कि कद नहीं, हौसला मायने रखता है। लॉर्ड्स की लॉन्ग रूम से गुजरते हुए उन्होंने टीम के साथ ट्रॉफी उठाई–एक ऐसा दृश्य जो इतिहास में दर्ज हो गया।

खास था लॉर्ड्स से बावुमा का रिश्ता: एक दशक की उम्र में केपटाउन के लैंगा इलाके की गलियों में क्रिकेट खेलते हुए बावुमा ने जिन सड़कों को कराची, एमसीजी और लॉर्ड्स नाम दिया था, उनमें से साफ–सुथरी सड़क को उन्होंने 'लॉर्ड्स' हा था। तब से ही उन्होंने इस मैदान पर खेलने का सपना देख लिया था, जो अब साकार हो गया है।

बचपन में लिखी थी भविष्य की कहानी: छठी कक्षा में बावुमा ने एक निबंध लिखा था जिसमें उन्होंने खुद को सूट पहने, तत्कालीन राष्ट्रपति थाबो मबेकी से हाथ मिलाते हुए कल्पना की थी। उन्होंने तब ही तय कर लिया था कि वो दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करेंगे। 15 साल बाद उनका सपना हकीकत बना।

सवालों के घेरे से जवाब देने तक: जब बावुमा को कप्तान बनाया गया, तब कई सवाल उठे थे। उनका टेस्ट औसत महज 30 के आसपास था, लेकिन उन्होंने कप्तानी में अपने प्रदर्शन से सबको चौंकाया। डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले उन्होंने मांसपेशियों में खिंचाव के बावजूद मैदान पर डटे रहने का फैसला किया। कोच तक नहीं चाहते थे कि वो खेलें, लेकिन बावुमा ने टीम के लिए खुद को झोंक दिया।

नेता जो मैदान से बाहर भी प्रेरणा हैं: बावुमा केवल कप्तान नहीं, एक नेता हैं। क्विंटन डी कॉक द्वारा 'ब्लैक लाइव्स मैटर' पर घुटने न टेकने की घटना हो या टीम के भीतर विविधता को स्वीकारने की संस्कृति–बावुमा ने हर बार संतुलन और शालीनता से नेतृत्व किया।

रणजी ट्रॉफी के प्रारूप में हुआ बदलाव

मुंबई, 14 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को अपनी शीर्ष परिषद की बैठक में फैसला किया कि 2025–26 रणजी ट्रॉफी 15 अक्तूबर से 28 फरवरी तक दो चरणों में एक संशोधित प्रारूप के साथ आयोजित की जाएगी, जिसमें मौजूदा दो टीमों के बजाय प्लेट समूह से एक टीम को रेलीगेट और एक को प्रमोट किया जायेगा।

एक टीम को किया जाएगा प्रमोट: बीसीसीआई ने 2018–19 में रणजी ट्रॉफी में नौ टीमों को शामिल किया था। इसमें उत्तर पूर्व की टीम भी शामिल है। इससे हालांकि इस प्रतियोगिता में क्रिकेट की गुणवत्ता प्रभावित हुई। मेघालय रणजी ट्रॉफी के पिछले सत्र में एलीट डिवीजन में खेला, लेकिन उसे सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा। बीसीसीआई के एक दस्तावेज में कहा गया, 'सभी बहु–दिवसीय पुरुष टूर्नामेंट (सीनियर और जूनियर) में 2026–27 सत्र से एक टीम को प्रमोट किया जाएगा और एक टीम को रेलीगेट किया जाएगा।

अक्तूबर में होगा रणजी ट्रॉफी के पहले चरण का आगाज: लाल गेंद क्रिकेट के प्रारूप में बदलाव सभी आयु समूहों के बीसीसीआई टूर्नामेंटों पर लागू होगा। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 15 अक्तूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा चरण 22 जनवरी से एक फरवरी तक चलेगा। नॉकआउट छह से 28 फरवरी तक खेले जाएंगे। दलीप ट्रॉफी की क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी हो गयी है। और यह सत्र का पहला टूर्नामेंट होगा। इसका आयोजन 28 अगस्त से 15 सितंबर तक होगा। बीसीसीआई ने कहा की टीम का चयन क्षेत्रीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

प्लेट डिवीजन को शामिल किया गया : ईरानी कप एक से पांच अक्तूबर तक खेला जायेगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (राष्ट्रीय टी20 प्रतियोगिता) सहित सभी एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में प्लेट डिवीजन को फिर से शामिल किया गया है। पिछले सत्र तक नॉकआउट चरण में टीमें क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेलती थी, लेकिन इस सत्र से शीर्ष टीमों को सुपर लीग में तीन अतिरिक्त मैच मिलेंगे। ग्रुप ए और बी की शीर्ष टीम फाइनल में भिड़ेंगी। पिछले सत्र की सबसे निचली छह टीमें प्लेट ग्रुप का हिस्सा होंगी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को 26 नवंबर से 18 दिसंबर तक खेला जाएगा। इसके साथ ही सफेद गेंद के सभी टूर्नामेंटों में ग्रुप चरण में बराबरी पर रहने वाली टीमों में से आगे बढ़ने वाली टीम का फैसला नेट रन रेट के मुताबिक होगा।

दलीप ट्रॉफी में बदलाव

दलीप ट्रॉफी में बदलाव किया गया और अभी तक ये टूर्नामेंट चैलेंजर लीग फॉर्मेट में खेला जाता था। जबकि इसमें खेलने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय चयनकर्ता करते थे। लेकिन अब दलीप ट्रॉफी और सीनियर महिला चैलेंजर्स टूर्नामेंट में छह जोंन की टीमें भाग लेंगी और इसमें खिलाड़ियों का चयन उनके जोन के चयनकर्ता करेंगे। इसमें नार्थ जोन, ईस्ट जोन, नार्थ–ईस्ट जोन, सेन्ट्रल जोन, वेस्ट जोन और साउथ जोन की टीमें खेलेंगी

प्लेट ग्रुप में भी लिया फैसला

घरेलू क्रिकेट के लिमिटेड ओवेर्स क्रिकेट में पिछले सीजन की रैंकिंग में सबसे नीचे रहने वाली छह टीमें प्लेट ग्रुप में खेलेंगी। इतना ही नहीं अभी तक प्लेट ग्रुप से एलीट ग्रुप में दो–दो टीमों की अदला–बदली होती थी, लेकिन अब सिर्फ एक टीम ही प्लेट ग्रुप से एलीट में और एक टीम एलीट से प्लेट ग्रुप में अपने प्रदर्शन के आधार पर आ सकेगी।

सैययद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फॉर्मेट में बदलाव

घरेलू क्रिकेट में होने वाली सैययद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में अभी तक नॉकआउट के मुकाबले क्वार्टरफाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के आधार पर खेले जाते थे। लेकिन अब नॉकआउट स्टेज में सुपर लीग के मुकाबले होंगे और हर एक टीम तीन-तीन मैच इसमें खेलेगी। जिसमें टॉप करने वाली दो टीमों को फाइनल में एंट्री मिलेगी।

प्लेट ग्रुप का बढ़ा चलन

अभी तक विजय हजारे ट्रॉफी, सीनियर महिला वन डे ट्रॉफी और मेंस अंडर–23 स्टेट ए ट्रॉफी जैसे प्रमुख टूर्नामेंट मिक्स टीम के साथ पांच ग्रुप में खेले जाते थे, लेकिन अब इनमें भी प्लेट सिस्टम लागू होगा और 4 एलीट ग्रुप + 1 प्लेट ग्रुप मॉडल देखने को मिलेगा। जबकि इसके अलावा जूनियर और महिला टूर्नामेंट (अंडर– 16, अंडर–19, अंडर– 23) में भी 5 एलीट + 1 प्लेट ग्रुप देखने को मिलेगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी प्लेट ग्रुप में खेलेगी बिहार टीम

पटना, 14 जून। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सत्र 2025–26 के घरेलू टूर्नामेंट का शेड्यूल घोषित कर दिया है। रणजी ट्रॉफी से लेकर सभी आयु वर्ग के शेड्यूल और ग्रुप भी जारी कर दिये गए हैं। आइए चलिए जानते हैं बिहार की टीम किस आयु वर्ग में किस ग्रुप में खेलेगी। बिहार टीम को इस बार रणजी ट्रॉफी और सीके नायडू ट्रॉफी के अलावा विजय हजारे ट्रॉफी व सीनियर वीमेंस वनडे ट्रॉफी में भी प्लेट ग्रुप में खेलना होगा।

पुरुष वर्ग (मेंस) टूर्नामेंट्स

रणजी ट्रॉफी: प्लेट ग्रुप : बिहार, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश। **सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी:** एलीट ग्रुप बी : बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, चंडीगढ़, जम्मू–कश्मीर, हैदराबाद, महाराष्ट्र, गोवा। **विजय हजारे ट्रॉफी : प्लेट ग्रुप :** बिहार, नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश। **कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी (अंडर–23): प्लेट ग्रुप :** बिहार, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश। **मेंस अंडर–23 स्टेट ए ट्रॉफी:** एलीट ग्रुप ए : बिहार, पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, बड़ौदा, चंडीगढ़, बंगाल, उत्तराखंड। **वीनू मांकड़ ट्रॉफी (अंडर– 19 वनडे):** एलीट ग्रुप बी- बिहार, बंगाल, मध्यप्रदेश, हरियाणा, सौराष्ट्र, केरल। **कूच बिहार ट्रॉफी (अंडर– 19 चार दिवसीय):** एलीट ग्रुप ए-बिहार, तमिलनाडु, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, त्रिपुरा। **विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर– 16) :** एलीट ग्रुप बी-बिहार, पंजाब, राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी। (नोटः पिछले सत्र में प्लेट चैंपियन बनकर इलीट ग्रुप में पहुंचा है)

महिला वर्ग (वीमेंस) टूर्नामेंट्स

सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफीः एलीट ग्रुप ए-बिहार, मुंबई, बड़ौदा, उत्तरप्रदेश, केरल, विदर्भ, जम्मू–कश्मीर, गुजरात। **सीनियर वीमेंस वनडे ट्रॉफीःप्लेट ग्रुप**-बिहार, मिजोरम, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर **अंडर–23 वीमेंस टी20 ट्रॉफीः** एलीट ग्रुप ए-बिहार, दिल्ली, मध्यप्रदेश, विदर्भ, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़। **अंडर–23 वीमेंस वनडे ट्रॉफी :** एलीट ग्रुप बी-बिहार, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, बड़ौदा, छत्तीसगढ़, जम्मू–कश्मीर। **अंडर–19 वीमेंस टी20 ट्रॉफीः**एलीट ग्रुप ए-बिहार, तमिलनाडु, पंजाब, आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, पुडुचेरी। **अंडर– 19 वीमेंस वनडे ट्रॉफी-** एलीट ग्रुप डी-बिहार, पंजाब, विदर्भ, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़। अंडर–15 वीमेंस वनडे ट्रॉफी-एलीट ग्रुप ए- बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, हिमाचल, मध्यप्रदेश।

घरेलू क्रिकेट का शेड्यूल

पुरुष वर्ग

दलीप ट्रॉफी	28 अगस्त से लेकर 15 सितंबर तक
ईरानी कप :	एक अक्टूबर से लेकर पांच अक्टूबर तक
रणजी ट्रॉफी	15 अक्टूबर से 19 नवंबर (फेज–1)
	22 जनवरी से एक फरवरी (फेज–2)
	छह फरवरी से लेकर 28 फरवरी तक (नॉकआउट)
सैय्यद मुश्ताक अली	26 नवंबर से लेकर 18 दिसंबर तक
विजय हजारे ट्रॉफी	24 दिसंबर से लेकर 18 जनवरी तक
कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी	16 अक्टूबर से 05 नवंबर (फेस 1)
	23 जनवरी से 16 फरवरी (फेस 2)
	छह फरवरी से लेकर 9 फरवरी तक (नॉकआउट)
मेंस अंडर–23 स्टेट ट्रॉफी	नौ नवंबर से एक दिसंबर तक
वीनू मांकड़ ट्रॉफी	नौ अक्टूबर से एक नवंबर तक
मेंस अंडर–19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी	पांच नवंबर से 11 नवंबर तक
कूच बिहार ट्रॉफी	16 नवंबर से 20 जनवरी तक
विजय मर्चेंट ट्रॉफी	सात दिसंबर से 28 जनवरी तक

महिला वर्ग

सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी	आठ अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक
सीनियर वीमेंस इंटरजोनल टी20	चार नवंबर से 14 नवंबर तक
सीनियर वीमेंस वनडे ट्रॉफी	छह फरवरी से 28 फरवरी तक
सीनियर वीमेंस इंटरजोनल वनडे ट्रॉफी	छह फरवरी से 16 फरवरी तक
सीनियर वीमेंस इंटरजोनल मल्टी डे ट्रॉफी	20 मार्च से तीन अप्रैल तक
वीमेंस अंडर–23 टी20 ट्रॉफी	24 नवंबर से 11 दिसंबर तक
वीमेंस अंडर–23 वनडे ट्रॉफी	तीन मार्च से 22 मार्च तक
वीमेंस अंडर–19 टी20 ट्रॉफी	26 अक्टूबर से 12 नवंबर तक
वीमेंस अंडर–19 वनडे ट्रॉफी	13 दिसंबर से एक जनवरी तक
वीमेंस अंडर–15 वनडे ट्रॉफी	दो जनवरी से 21 जनवरी तक
विज्जी ट्रॉफी	एक मार्च से लेकर सात मार्च तक

बीसीसीआई ने तीन सदस्यीय समिति गठित की

नई दिल्ली, 14 जून। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने शनिवार को अपने सचिव देवजीत सैकिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान हाल ही में बेंगलुरु में हुई भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से दिशानिर्देश तैयार करेगी। सैकिया के अलावा, बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया समिति के अन्य सदस्य हैं, जो 15 दिनों के भीतर दिशानिर्देश तैयार करेंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, ''बेंगलुरु में जीत के जश्न के दौरान हुई घटना के मद्देनजर, शीर्ष परिषद ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से व्यापक दिशा निर्देश तैयार करने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला किया है। चार जून को आरसीबी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास लगभग ढाई लाख लोग उमड़ पड़े थे, जिसमें भगदड़ के कारण 11 प्रशंसकों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी मामले की जांच के लिए एकल न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) आयोग का गठन किया है। इस मामले में आरसीबी और राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

दो बॉल के रूल, कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियम में बदलाव

दुबई, 14 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने वनडे प्रारूप के लिए प्लेइंग कंडीशन्स में कुछ बदलाव को मंजूरी दी है। इसमें वनडे मैचों में एक गेंद के नियम से लेकर सभी प्रारूप में कन्कशन सब्स्टीट्यूट में परिवर्तन तक शामिल हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस साल के शुरू में टी20 सीरीज के दौरान कन्कशन सब्स्टीट्यूट के इस्तेमाल को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद आईसीसी ने इस नियम में कुछ संशोधन करने का फैसला लिया था। कन्कशन रिप्लेसमेंट के लिए सौंपनी होगी पांच खिलाड़ियों की सूची : ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, टीमों को मैच शुरू होने से पहले रेफरी को ऐसे पांच खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी जो कन्कशन सब्स्टीट्यूट होंगे। इस सूची में विकेटकीपर, बल्लेबाज, तेज गेंदबाज, स्पिनर और ऑलआउरंडर की भूमिका से एक खिलाड़ी होगा। अगर ऐसी स्थिति आती है कि जिस खिलाड़ी को कन्कशन सब्स्टीट्यूट चुना गया है वो भी कन्कशन का शिकार हो जाता है तो मैच रेफरी को सूची के बाहर किसी खिलाड़ी को उसका रिप्लेसमेंट चुनना होगा। हालांकि, रिप्लेसमेंट चुनते वक्त यह ध्यान रखना होगा कि ये लाइक फॉर लाइक सब्स्टीट्यूट हो। यानी अगर कोई तेज गेंदबाज कन्कशन के कारण बाहर हो रहा है तो उसकी जगह कोई तेज गेंदबाज ही मैदान पर आए। मौजूदा नियम के अनुसार, कन्कशन सब्स्टीट्यूट लाइक फॉर लाइक रिप्लेसमेंट हो सकता है जिसमें मैच रेफरी सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी को मंजूरी देते समय चोटिल खिलाड़ी की शेष खेल में भूमिका को ध्यान में रखता है।

वनडे में चुननी होगी एक गेंद : इसके अलावा आईसीसी ने वनडे में दो गेंदों के इस्तेमाल पर भी परिवर्तन किया है। मौजूदा समय में वनडे में दोनों छोर से नई गेंद का इस्तेमाल होता है, लेकिन आईसीसी ने इसमें संशोधन किया है। संशोधित नियम के अनुसार, एक से 34 ओवर तक दो गेंदों का इस्तेमाल होगा जिसके बाद 35 से 50 ओवर तक के खेल के लिए फील्डिंग टीम को इन दो में से किसी एक गेंद को चुनना होगा जिससे शेष ओवर कराए जाएंगे। यानी 34 ओवर के बाद दोनों छोर से एक ही गेंद का इस्तेमाल करना होगा। किसी कारण अगर मैच 25 या इससे कम ओवर का कराना पड़ता है तो एक ही गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

कब से लागू होंगे नियम : रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी पुरुष क्रिकेट समिति ने संशोधित प्लेइंग कंडीशन्स की सिफारिश की थी जिसे मुख्य कार्यकारी समिति ने हरी झंडी दे दी है। संशोधित प्लेइंग कंडीशन्स 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच होने वाले पहले टेस्ट मैच से लागू होंगे। वहीं, वनडे और टी20 प्रारूप के नियमों में बदलाव क्रमशः दो और 10 जुलाई को लागू होंगे जब बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच सीमित ओवरों की सीरीज खेली जाएगी।

भारत–इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज के दौरान हुआ था विवाद : भारत और इंग्लैंड के बीच इस साल चौथे टी20 मैच के दौरान भारत ने शिवम दुबे की जगह कन्कशन सबस्टीट्यूट के रूप में हर्षित राणा को उतारा था। शिवम गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं जिन्होंने 89 टी20 मैचों में 72.4 ओवर गेंदबाजी की है और उनकी जगह हर्षित को उतारने पर विवाद हुआ था क्योंकि हर्षित विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं। हर्षित ने उस मैच में तीन विकेट लिए थे। इस फैसले ने यह चर्चा शुरू कर दी थी कि क्या भारत को इससे फायदा पहुंचा।

अब बाउंड्री के बाहर में हवा नहीं ले सकेंगे कैच

नई दिल्ली, 14 जून। पिछले टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल के 20वें ओवर में सूर्यकुमार यादव ने बाउंड्री लाइन के बाहर द.अफ्रीका के डेविड मिलर का मैच विनिंग कैच पकड़ा और भारत वर्ल्ड चैंपियन बन था। इसे लेकर सूर्यकुमार की खूब वाहवाही हुई, साथ ही कुछ द.अफ्रीकी खिलाड़ियों ने सवाल भी खड़े कर दिए थे. लेकिन आईसीसी के नियमों के मुताबिक यह एकदम सही कैच था, लेकिन अब ऐसी बाजीगीरी नहीं ही चलने जा रही है। अब आईसीसी और क्रिकेट के नियमों की संरक्षक मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने बाउंड्री पर लिए ऐसे कैच के नियमों में बदलाव किया है।

बाउंड्री कैच के नियमों में बदलावः मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब यानी एमसीसी (क्रिकेट के नियमों के संरक्षक) ने बाउंड्री पर हवाई कैचों को लेकर अब बाउंड्री फील्डिंग से जुड़े नियम में एक बदलाव का बड़ा ऐलान किया है। इसका मकसद है बाउंड्री लाइन के पार लिए गए कैच को क्लीन बनाना है ..ताकि इसे लेकर कोई शको–शुब्हा ना रह जाए।

कब लागू होगा नया नियम? : ये नया नियम 19.5.2 17 जून, 2025 यानी अगले हफ्ते के मंगलवार से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लागू हो जाएगा। इसे अक्टूबर 2026 से एमसीसी के नियमों में आधिकारिक तौर पर शामिल कर लिया जाएगा। नए नियम के लागू होने के बाद बाउंड्री के बाहर गेंद को छूते ही यह शॉट बाउंड्री में तब्दील हो जाएगा। मतलब यह है कि अब बाउंड्री के बाहर फील्डर की कलाकारी नहीं चलेगी

क्या है नया नियम? : यदि कोई फील्डर बाउंड्री के बाहर से कूदता है और गेंद को एक बार हवा में छू लेता है तो उसे गेंद को पकड़ने या फेंकने के बाद पूरी तरह से मैदान के अंदर रहना होगा। यदि फील्डर बाउंड्री के बाहर कदम रखता है या उसी डिलीवरी के दौरान फिर से दोबारा बाउंड्री के बाहर कदम रख देता है, तो इसे कैच नहीं बाउंड्री माना जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के आईसीसी खिताब जीतने पर क्रिकेट जगत में खुशी

लंदन, 14 जून। दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतकर आईसीसी ट्रॉफी के अपने लंबे इंतजार को खत्म किया जिस पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय से अत्यधिक खुशी, कुछ हद तक आश्चर्य जताते हुए इस टीम के लिए तारीफों की झड़ी लगा दी।

महान सचिन तेंदुलकर, क्रिस गेल , एबी डिविलियर्स और डेल स्टेन जैसे खिलाड़ियों ने प्रोटियाज (दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम का उपनाम) टीम के जज्बे की सराहना की।

टीम की जीत के बाद लॉर्ड्स स्टेडियम में मौजूद डिविलियर्स और पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ की तरफ जब कैमरा मुड़ा तो दोनों अपनी भावनाओं पर काबू करते दिखे। दक्षिण अफ्रीका के इन दोनों महान खिलाड़ियों को कभी ऐसे पल का अनुभव नहीं मिला था।

डिविलियर्स ने 'एक्स' पर लिखा, '' शानदार जीत और बहुत बढ़िया खेल। मैच जीतने वाले शतक के लिए मारक्रम और पूरे मैच में इतनी शानदार नेतृत्व और प्रदर्शन के लिए तेम्बा बावुमा को सलाम।'' उन्होंने कहा, ''खेल के इस खूबसूरत प्रारूप को देखना कितना अविश्वसनीय अनुभव था। इस पल को अपने दो बेटों के साथ रोमांचित और उत्साहित होकर अनुभव करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। ऐसे ही बढ़ते रहो प्रोटियाज।

महान बल्लेबाज तेंदुलकर ने आखिरी पारी में धैर्य और एकाग्रता की प्रशंसा करते हुए एडेन मारक्रम और बावुमा की साझेदारी को 'उम्मीद को इतिहास में बदलने वाला' करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, '' टेस्ट क्रिकेट का जादू जारी है। एक ऐसे फाइनल में जहां हर सत्र की अपनी कहानी थी, दक्षिण अफ्रीका की टीम ने मुश्किल परिस्थितियों में शानदार खेल दिखाया। चौथी पारी में दबाव में मारक्रम के धैर्य और बावुमा की जज्बे वाली बल्लेबाजी शानदार रही। एक शतक जिसे याद रखा जाएगा, एक साझेदारी जिसने उम्मीद को इतिहास में बदल दिया। उन्होंने लिखा, ''विश्व टेस्ट चैंपियन बनने पर दक्षिण अफ्रीका को बधाई।''

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज **डेल स्टेन** ने एक ही शब्द में माहौल को बयां कर दिया। उन्होंने लिखा, ''होम (डब्ल्यूटीसी चैंपियन का गद्दा घर आया)।''

हर्शल गिब्स ने टीम की सराहना करते हुए लिखा, ''बहुत बढ़िया दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए टॉस से ही सब कुछ सही रहा.. जश्न का लुत्फ उठाइए।''

मदन लाल ने भी मारक्रम की पारी की सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह उनके लिए कैरियर को परिभाषित करने वाला शतक है वे इससे वाकई बहुत खुश होंगे क्योंकि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को उनकी पहली विश्व ट्रॉफी जीतने में मदद की थी।

क्रिस गेल ने दक्षिण अफ्रीका की धैर्य की तारीफ करते हुए लिखा, '' 'मास्टरफुल' मारक्रम। तेम्बा बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका की शानदार जीत। यह टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहतरीन प्रचार है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को बधाई।''

अंजुम चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, 34 साल! आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। दक्षिण अफ्रीका आईसीसी इवेंट में चैंपियन है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर **इरफान पठान** ने भी लाल गेंद वाले क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कैगिसो रबाडा (नौ विकेट) और मारक्रम के योगदान की सराहना की। पठान ने एक्स पर लिखा, टेम्बा बावुमा की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका ने इतिहास रच दिया है। रबाडा शानदार थे। एडेन मार्करम ने न केवल लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर बल्कि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के इतिहास में भी अपना नाम दर्ज कराया है।

जय शाह ने दक्षिण अफ्रीका को दी बधाई

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने शनिवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका को बधाई दी। जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतने पर दक्षिण अफ्रीका को बधाई, प्लेयर ऑफ द मैच एडेन मार्करम का शानदार प्रदर्शन। लॉर्ड्स एक शानदार वेन्यू रहा, जहां हर दिन आई भारी भीड़ ने एक बार फिर से टेस्ट क्रिकेट में रुचि दिखाई। जय शाह इस मैच को देखने के लिए खुद मौजूद थे और चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को ट्रॉफी उन्होंने ही दी।

पटना और गया जी चैंपियन

बिहार जूनियर बास्केटबॉल चैम्पियनशिप

मुजफ्फरपुर, 14 जून (खेलढाबा)। बिहार जूनियर बास्केटबॉल चैम्पियनशिप (अंडर–19) में पटना और गया की टीम चैंपियन बनी। पटना ने बालक वर्ग जबकि गया जी ने बालिका वर्ग का खिताब अपने नाम किया। बालक वर्ग में भागलपुर जबकि बालिका वर्ग में पटना की टीम तीसरे नंबर पर रही। स्थानीय सेंट जेवियर्स जूनियर व सीनियर स्कूल के बास्केटबॉल कोर्ट पर शनिवार की रात खेले गये बालक वर्ग फाइनल मुकाबले में पटना ने बक्सर को 52– 46 अंकों से हराया। वहीं बालिका वर्ग फाइनल मैच में गया जी ने मेजबान मुजफ्फरपुर को 41–27 से हराया।

बालिका वर्ग में तीसरे स्थान के लिए खेले गये मैच में पटना ने औरंगाबाद को 15–2 से पराजित किया। औरंगाबाद को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। जबकि बालक वर्ग में भागलपुर की टीम तीसरे व मेजबान मुजफ्फरपुर की टीम चौथे स्थान पर रही। तीसरे स्थान के लिए खेले गये मैच में भागलपुर ने मुजफ्फरपुर को 39–24 से हराया। बालक वर्ग में पटना के विद्यु शंकर व बालिका वर्ग में गया जी की अवंतिका बेस्ट प्लेयर रही। बालक वर्ग में मुजफ्फरपुर के शिवम और बालिका वर्ग में शिवहर की मुस्कान को उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया।

इससे पहले खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में बालिका वर्ग में मुजफ्फरपुर ने औरंगाबाद को 21–4 और गया जी ने पटना को 42 झ 25 से हराकर फाइनल में स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग के सेमीफाइनल में पटना ने भागलपुर को 43–38 और बक्सर ने मेजबान मुजफ्फरपुर को 39–24 से हराकर कर फाइनल का टिकट पाया था।

स्टार इंडिया और रेड रेंजर्स सेमीफाइनल में

वीमेंस खो–खो लीग : ब्लू ब्लेजर्स और गोल्डन गर्ल्स की टीम भी टॉप–4 में

महुआ, 14 जून (खेलढाबा)। खो-खो एसोसिएशन ऑफ बिहार के तत्वावधान में वैशाली जिला खो–खो संघ की मेजबानी में स्थानीय वाई एन आर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के प्रांगण में चल रही वीमेंस खो–खो लीग के दूसरे सीजन के सेमीफाइनल में स्टार इंडिया और रेड रेंजर्स की टीम ने अपनी जगह पक्की कर ली है।

चौथे दिन मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी मंटू सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में केकेएफआई के कार्यकारी सदस्य सह खो–खो एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव नीरज कुमार पप्पू, ऑर्गेनाइजिंग कमिटी प्रेसिडेंट सह सचिव मुखिया संघ संजीत कुमार, वैशाली खो–खो एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार, सचिव अमित कुमार मौजूद थे। सभी अतिथियों को आयोजन कमिटी द्वारा पुष्पमाला पहना, शॉल और प्रतीक चिह्न समर्पित कर स्वागत व सम्मानित किया गया। अतिथियों ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर हौसला अफजाई की।

चौथे दिन फर्स्ट मैच ब्लू ब्लेजर्स और व्हाइट वॉरियर्स के बीच खेला गया। जिसका स्कोर 14– 8 अंक रहा। इस मैच को छह अंक से ब्लू ब्लेजर्स ने जीता। इस मैच का बेस्ट प्लेयर स्वेता कुमारी रही। भावना कुमारी ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। सेकेंड मैच ग्रीन गार्डेन्स बनाम स्टार इंडिया के बीच खेला हुआ। इसका स्कोर 14–32 अंक रहा। इस मैच को स्टार इंडिया ने एक इनिंग 18 प्वाइंट से जीत हासिल की। इसका बेस्ट प्लेयर ललिता कुमारी रही। लक्ष्मी कुमारी ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रकार पूल ए से सेमीफाइनल में स्टार इंडिया और रेड रेंजर्स ने क्वालीफाई किया तो वहीं पूल बी से ब्ल्यू ब्लेजर्स और गोल्डन गर्ल्स की टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

21वी झारखंड राज्य जूनियर वुशू प्रतियोगिता शुरू

सिल्ली (रांची), 14 जून। 21वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता शनिवार यानी 14 जून को स्थानीय द विलेज रिसोर्ट में प्रारम्भ हो गयी। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के जूनियर खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लम्बोदर महतो थे जिन्होंने झारखण्ड में इस खेल और खिलाड़ियों के बेहतरीन भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ रुपेश कुमार, शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश कुमार, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, सुशील कच्छप, दीपक गोप आदि मौजूद थे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में सिल्ली वुशु अकादमी के एस वाहिद अली और उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। 15 जून यानी रविवार को इस प्रतियोगिता का समापन होगा। शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर चयनित खिलाडी जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मिथिला क्रिकेट एकेडमी और भारती क्लब विजयी

विनय श्याम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

बिदुपुर, 14 जून (खेलढाबा)। बिहार क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में खेले जा रहे विनय श्याम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत शनिवार यानी 14 जून को खेले गए मुकाबलों में मिथिला क्रिकेट एकेडमी और भारती क्लब ने जीत दर्ज की।

पहला मुकाबला : पहले मैच में मिथिला क्रिकेट अकादमी दरभंगा ने कैंब्रिज क्रिकेट अकादमी को 59 रन से हराया। टॉस जीतकर मिथिला ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 25 ओवरों में सभी विकेट खोकर 139 रन बनाए। अनिकेत ने 25 रन, अंकित ने 13 रन, और साजिद ने शानदार 41 रन की पारी खेली। कैंब्रिज की ओर से आर्यन ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, वहीं उज्ज्वल और अतुल ने 2–2 तथा आदित्य ने 1 विकेट लिया।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी कैंब्रिज टीम 80 रन पर सिमट गई। सिर्फ आदित्य ने 46 रन बनाए, अन्य कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं पाया। मिथिला की ओर से साजिद और अनिकेत ने 3–3 विकेट, आलम और रशीद ने 1–1 विकेट लिए। साजिद को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

दूसरा मुकाबला : दूसरे मुकाबले में भारती क्रिकेट क्लब मुजफ्फरपुर ने 22 यार्ड क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से हराया। टॉस जीतकर भारती क्लब ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। 22 यार्ड की टीम ने 23 ओवर में सभी विकेट खोकर 131 रन बनाए। सुमित (24), प्रभात (17) और ऋतिक (17) ने उपयोगी योगदान दिया। भारती क्लब के लिए आदित्य और ऋषित ने 3–3 विकेट, आयुष, उत्कर्ष और बाबुल ने 1–1 विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारती क्लब की शुरुआत धीमी रही, लेकिन सिद्धार्थ (23), रवि (25) और आशीष (38) की पारियों की मदद से टीम ने 22 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। 22 यार्ड की ओर से रोहित ने 2 विकेट, अविनाश, ऋतिक और रौनक ने 1–1 विकेट लिया। आदित्य को शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया।

एके क्रिकेट एकेडमी ने एसकेपी को हराया

टर्निंग प्वायंट अंडर–14 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

पटना, 14 जून (खेलढाबा)। सरदार पटेल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में चल रहे सरदार पटेल क्रिकेट फेस्टिवल के अंतर्गत शनिवार यानी 14 जून, 2025 को टर्निंग प्वायंट अंडर– 14 क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार आगाज हुआ। उद्घाटन मुकाबले में एके क्रिकेट एकेडमी ने एसकेपी को 10 विकेट से हराया।

प्रतियोगिता का पटना नगर निगम की उप मेयर श्रीमती रेशमी चंद्रवंशी, बिहार प्लेयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, वार्ड पार्षद इंद्रदीप चंद्रवंशी और आशीष कुमार सिन्हा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। सबों का स्वागत फाउंडेशन के महासचिव नवीन कुमार ने किया जबकि धन्यवाद व्यक्त संस्थापक संतोष तिवारी ने किया। इस मौके पर मनीष कुमार शर्मा, अंपायर यतेंद्र कुमार, अंपायर बैजनाथ प्रसाद और हिमांशु कुमार समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मुकाबले में एसकेपी ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करते हुए 16.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 79 रन बनाये। जवाब में एके क्रिकेट एकेडमी ने 6.5 ओवर में बिना विकेट खोए 80 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। विजेता टीम के सुमित (4 विकेट) को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

संक्षिप्त स्कोर

एसकेपी : 16.5 ओवर में 79 रन पर ऑल आउट, शुभ सिंह 11, विश्वजीत आनंद 13, अबू सफवान 14, अतिरिक्त 21, सुमित कुमार 1/8, आदित्य 1/12, ईशान 2/19, आयुष्मान सिंह 1/6, सुमित 4/24, प्रशांत 1/10
एके क्रिकेट एकेडमी : 6.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 80 रन, आर्यन राज नाबाद 34, प्रशांत नाबाद 34, अतिरिक्त 12.

अभिजीत गुप्ता दिल्ली जीएम ओपन के चैंपियन बने

नई दिल्ली, 14 जून। भारतीय ग्रैंडमास्टर अभिजीत गुप्ता ने दिल्ली जीएम ओपन शतरंज में 10 में से 8.5 अंक हासिल करते हुए एशिया के इस प्रतिष्ठित आयोजन में अपना चौथा खिताब जीता। छत्तीस साल के गुप्ता ने 10 दौर के मुकाबले में अजेय रहे। उन्होंने नौवें दौर में बेलारूस के ग्रैंडमास्टर मिहेल निकितेंको पर जीत के बाद एकल बढ़त कायम की थी और फिर आखिरी दौर में अंतरराष्ट्रीय मास्टर अरोण्यक घोष के खिलाफ मुकाबला बराबरी पर छूटने के साथ खिताब पक्का कर लिया। निकितेंको (2520, बेलारूस) आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

नमन गौरव व अर्णव का जलवा

नालंदा क्रिकेट लीग

बिहारशरीफ, 14 जून (खेलढाबा)। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नालंदा के तत्वावधान में यहां खेली जा रही नालंदा क्रिकेट लीग का फाइनल बिहारशरीफ नाइट रायडर बनाम परशुराय सुपर किंग के बीच 15 जून यानी रविवार को खेला जायेगा। 14 जून को खेले गए मुकाबले में बिहारशरीफ नाइटराइडर्स ने हरनौत स्कार्पियंस को 19 रन से हराया। बिहारशरीफ नाइटराइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाये। कप्तान नमन गौरव 50 गेंदों पर 90 रन की आतिशी पारी खेली। सूरज ने 16 तथा अभिषेक ने 10 रन बनाये। अमित कुमार ने 25 रन देकर 3 विकेट और फैजान ने 16 रन देकर 3 विकेट चटकाये। जवाब में हरनौत स्कार्पियंस की टीम 19 ओवर में 131 रन ही बना पायी। चंद्रशेखर ने 55, प्रसन्नजीत ने 28 तथा सुजल ने 12 रन बनाये। नमन ने 23 रन देकर 2 तथा अर्णव ने 22 रन देकर 5 विकेट चटकाये। नमन गौरव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। निर्णायक की भूमिका परवेज़ मुस्तफा तथा बिक्रम थे।

प्रणति नायक ने कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, 14 जून। भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने दक्षिण कोरिया के जेचेन में 12वीं सीनियर महिला एशियाई कलात्मक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक जीता। इस साल मार्च में तुर्की के अंताल्या में एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली इस 30 साल की खिलाड़ी ने शनिवार को 13.466 स्कोर करके पोडियम पर तीसरा स्थान पक्का किया।

चीन की यिहान झांग ने 13.650 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि वियतनाम की थी क्विन न्हू गुयेन ने 13.583 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता।

सुदर्शन इलेवन ने जीता खिताब

कासा पिकोला अंडर–10 एक दिवसीय क्रिकेट फाइनल

पटना, 14 जून (खेलढाबा)। सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावधान में खेले कासा पिकोला अंडर– 10 एक दिवसीय क्रिकेट फाइनल का खिताब सुदर्शन इलेवन ने जीत लिया है। सुदर्शन इलेवन ने कौमुदकी को 7 विकेट से हराया।

पहले खेलते हुए कौमुदकी ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 103 रन बननाये। अमित ने 40, आदित्य गोलू ने 21 रन बनाये। रेयांश ने 25 रन देकर 1 विकेट चटकाये। सुदर्शन इलेवन ने 16.3 ओवर में 3 विकेट पर 106 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। कान्हा ने 16, गणेश ने 12 रन बनाये। पर्व ने 15 रन देकर 3 विकेट चटकाये। पर्व को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। बेस्ट बैटर का पुरस्कार कान्हा, बेस्ट बॉलर का पुरस्कार रेयांश और बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार अमित को दिया गया। खिलाड़ियों को पटना नगर निगम की उप मेयर श्रीमती रेशमी चंद्रवंशी, बिहार प्लेयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय तिवारी, वार्ड पार्षद इंद्रदीप चंद्रवंशी और आशीष कुमार सिन्हा ने पुरस्कृत किया। सबों का स्वागत फाउंडेशन के महासचिव नवीन कुमार ने किया जबकि धन्यवाद व्यक्त संस्थापक संतोष तिवारी ने किया।

सुपर ओवर में जीत हासिल कर चैंपियन बना डोनी पोलो

पटना, 14 जून (खेलढाबा)। डोनी पोलो ने शिव प्रसाद सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। सुदय क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट के फाइनल में डोनी पोलो ने बिहार क्रिकेट एकेडमी को सुपर ओवर में हराया।

डोनी पोलो ने टॉस जीत कर पहले खेलते हुए 18.3 ओवर में सभी विकेट खोकर 148 रन बनाये। जवाब में बिहार क्रिकेट एकेडमी की टीम 19.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 148 रन बना कर मैच टाई कर दिया। इसके बाद निर्णय के लिए सुपर ओवर का सहारा लिया गया जिसमें डोनी पोलो ने बाजी मारी। सुपर ओवर में डोनी पोलो ने बिना किसी नुकसान ने 9 रन बनाये। बिहार क्रिकेट एकेडमी की टीम 1 ओवर में दो विकेट पर 6 रन ही बना सकी। विजेता टीम के केशव रघुवंशी (14 रन, 3 विकेट) को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

मैच का उद्घाटन और खिलाड़ियों को पुरस्कृत समाजसेवी संजीव रंजन उर्फ कुनकुन जी, धनंजय कुमार सिंह, सुदय, अविनाश कुमार, नरोत्तम कुमार, मनीष कुमार, संजीव कुमार मुखिया, पिंटू जी समेत अन्य ने मिल कर किया।

शिव प्रसाद सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार सुशांत, बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार तपीश, बेस्ट बॉलर का पुरस्कार केशव रघुवंशी, व्यक्तिगत उच्च स्कोर के लिए कृष कुमार ने पुरस्कृत किया। अंपायर, स्कोरर और सपोर्टिंग स्टॉफ को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।

संक्षिप्त स्कोर

डोनी पोलो : 18.3 ओवर में 148 रन पर ऑल आउट भानू प्रताप सिंह 32, रौनक कुमार 16, पवन कुमार 32, मोहम्मद अफसर आलम 13, अनुराग राणा 16, केशव रघुवंशी नाबाद 14, अतिरिक्त 11, वतन पांडेय 3/12, राज कुमार यादव 1/43, सागर सक्सेना 1/36, प्रतीक सिन्हा 2/25, अमन सिंह 2/22, तपीश कुमार 1/10. बिहार क्रिकेट एकेडमी : 19.5 ओवर में 148 रन पर ऑल आउट, तपीश कुमार 10, एस सम्राट 22, धर्मवीर कुमार 12, कृष्णा 30, अमन सिंह नाबाद 48, सौरभ कुमार 2/28, अफसर आलम 2/26, केशव रघुवंशी 3/15, रौनक कुमार 1/36

वाईसीसी सीनियर विजेता

पटना, 14 जून (खेलढाबा)। वाईसीसी सीनियर ने समर चैलेंजर ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। फाइनल में वाईसीसी सीनियर ने डीएसए स्काईकिंग को 121 रन के भारी अंतर से पराजित किया। स्थानीय जगजीवन स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस डीएसए स्काईकिंग ने जीता और वाईसीसी सीनियर को बैटिंग का न्योता दिया। वाईसीसी सीनियर ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 184 रन बनाये। आशीष कुमार (78 रन) और सार्थक राज (59 रन) के अर्धशतक जमाये। जवाब में डीएसए स्काईकिंग की टीम शानू सौरभ (5 विकेट) की शानदार गेंदबाजी के आगे 11.2 ओवर में 63 रन पर ऑल आउट हो गई। अनुभव राज ने 32 रन बनाये। शानू सौरभ को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। आशीष को बेस्ट बैटर और शानू सौरभ को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार दिया गया

संक्षिप्त स्कोर

वाईसीसी सीनियर : 20 ओवर में चार विकेट पर 184 रन, आयुष्मान जैन 14, आशीष कुमार 78, सार्थक राज 59, अतिरिक्त 24, रिषभ राज 2/9, अमित कुमार 1/37 डीएसए स्काईकिंग : 11.2 ओवर में 63 रन पर ऑल आउट, अनुभव राज 32, शानू सौरभ 5/14, पुष्कर 1/29, सक्षम 3/4

हॉकी में सीनियर्स को मिली हार, जूनियर का सफर है जारी

एफआईएच प्रो लीग में भारत की पुरुष व महिला टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी

भारत को आखिरी मिनटों में गोल गंवाना पड़ा भारी

एंटवर्प (बेल्जियम), 14 जून। एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार को भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2–0 की मजबूत बढ़त के बावजूद आखिरी क्षणों में गोल गंवाने के कारण 2–3 से हार का सामना करना पड़ा।

टीम के लिए दोनों गोल अभिषेक ने किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने वापसी करते हुए नाथन एफ्राम्स, जोएल रिंटाला और टॉम क्रेग के दम पर जीत हासिल की। यह भारत की यूरोपीय चरण में लगातार पांचवीं हार रही, इससे पहले टीम नीदरलैंड और अर्जेंटीना से दो–दो बार हार चुकी है।

मैच का संक्षिप्त विवरण :

भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की और आठवें मिनट में मनप्रीत सिंह के पास पर अभिषेक ने गोल कर बढ़त दिलाई। फिर 35वें मिनट में अभिषेक ने रिवर्स हिट से दिन का दूसरा गोल कर स्कोर 2–0 कर दिया।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने आक्रमक रवैया अपनाया और 42वें मिनट में एफ्राम्स ने रिबाउंड पर गोल कर स्कोर 2–1 कर दिया। 56वें मिनट में रिंटाला ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच बराबर कर दिया।

जैसे ही मैच समाप्ति की ओर बढ़ा, भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर गंवाया। हूटर से 42 सेकंड पहले जेरेमी हेवर्ड की फ्लिक को टॉम क्रेग ने डिफ्लेक्ट कर गोल में बदला और ऑस्ट्रेलिया को 3–2 से जीत दिला दी।

भारतीय टीम इस मैच में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के बिना उतरी थी, जिन्हें अर्जेंटीना के खिलाफ चोट लगी थी। गोलकीपर सूरज करकेरा ने कई शानदार बचाव किए, लेकिन आखिरी लम्हों में टीम लय बरकरार नहीं रख सकी।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कड़ी टक्कर, फिर भी हार

लंदन, 14 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग 2023–24 के रोमांचक मुकाबले में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2–3 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच लंदन में खेला गया, जहां भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में दमदार वापसी की, लेकिन बराबरी के मौके को भुनाने में नाकाम रही।

ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक शुरुआत: ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआत से ही आक्रमक रवैया अपनाया और भारत पर दबाव बनाया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे क्वार्टर की शुरुआत होते ही भारत की रक्षापंक्ति की चूक का फायदा उठाते हुए कोर्टनी शोनेल ने 16वें मिनट में पहला गोल किया।

10 मिनट बाद, यानी 26वें मिनट में लेक्सी पिकरिंग ने शानदार मैदानी गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 2–0 की बढ़त दिला दी। हाफ टाइम तक स्कोर ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा।

तीसरे क्वार्टर में और मजबूत हुई बढ़त: तीसरे क्वार्टर में भारतीय डिफेंस ने कुछ अच्छे प्रयास किए, लेकिन 35वें मिनट में टैटम स्टीवर्ट ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर स्कोर 3–0 कर दिया। इस समय तक लग रहा था कि भारत मैच से पूरी तरह बाहर हो चुका है।

अंतिम क्वार्टर में भारत की वापसी : चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने जोरदार वापसी की कोशिश की। दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। इसके बाद नेहा ने एक और पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड को गोल में बदलते हुए स्कोर 2–3 कर दिया।

बराबरी का मौका चूका भारत : मैच खत्म होने से कुछ मिनट पहले भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन इस बार भारतीय खिलाड़ी बराबरी करने से चूक गईं। अंतिम सीटी बजते ही भारतीय खिलाड़ियों में निराशा दिखी, लेकिन उन्होंने दिखाया कि वे हार मानने वाली नहीं हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

कोटिंच, 14 जून। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे में अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 2–1 से हरा दिया। मेजबान बेल्जियम को लगातार तीन मैच हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम का मैच मुश्किल माना जा रहा था। लेकिन ऑस्ट्रेलिया पर जीत दर्ज कर भारतीय टीम ने अपनी मजबूती का एहसास कराया और बताया कि बेल्जियम के खिलाफ जीत कोई तुक्का नहीं थी। भारतीय महिला जूनियर टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस दिन जीत हासिल की है, जिस दिन पुरुष और महिला सीनियर टीम को इसी टीम के खिलाफ 2–3 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की जोसी लॉटन ने पांचवें मिनट में गोल कर बढ़त बनाई। यह गोल पेनल्टी कॉर्नर के जरिए हुआ। भारतीय टीम ने सिर्फ तीन मिनट बाद इसका जवाब दिया। नंदिनी ने आठवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए ही गोल कर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया।

पहले क्वार्टर के अंत में भारत की उप कप्तान हिना बानो ने 14वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाकर गोल किया और टीम को 2–1 से आगे कर दिया।

शेष तीन क्वार्टर में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक क्षमता को मजबूत बनाए रखी और निर्धारित समय सीमा में ऑस्ट्रेलिया को गोल का मौका न देते हुए एक शानदार जीत हासिल की।

यह दौरे पर भारत की लगातार चौथी जीत है। इससे पहले भारत ने लगातार तीन मैच बेल्जियम के खिलाफ जीते थे। भारतीय टीम 17 जून को इस दौरे का अपना आखिरी मैच नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में जीत के साथ भारतीय टीम अपने दौरे का समापन यादगार तरीके से करना चाहेगी।

टीम एमजीडी1 बनी पहली भारतीय विजेता टीम

फिडे विश्व रैपिड टीम चैम्पियनशिप

लंदन, 14 जून। भारतीय शतरंज प्रेमियों के लिए शुक्रवार की रात गर्व और खुशी का क्षण लेकर आई, जब टीम एमजीडी1 ने फिडे विश्व रैपिड टीम चैम्पियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब कोई भारतीय टीम ने यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और प्रणव की शानदार भूमिका: छठी वरीयता प्राप्त टीम एमजीडी1 ने तीन दिनों तक चले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के 12 राउंड में से 10 मुकाबलों में जीत हासिल की। अंतिम दिन टीम हेक्सामाइंड के खिलाफ कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां अर्जुन एरिगैसी और प्रणव की निर्णायक जीतों ने टीम को खिताबी सफलता दिलाई।

पहले दो दिन मिश्रित प्रदर्शन, तीसरे दिन जबरदस्त वापसी : एमजीडी1 ने प्रतियोगिता की शुरुआत मजबूत तरीके से की थी, लेकिन दूसरे दिन टीम फ्रीडम के खिलाफ ड्रॉ और टीम हेक्सामाइंड से मिली हार के चलते उसकी राह मुश्किल हो गई। खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए टीम को तीसरे दिन चारों राउंड जीतने की जरूरत थी – और टीम ने कमाल कर दिखाया।

स्टार खिलाड़ियों की मजबूत टीम :

टीम में अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन मेंडोंका, डेविड एंटोन गुइजारो, त्सोलाकिडो स्टोव्रोला, प्रणव, अथर्व तायडे और कप्तान श्रीनाथ नारायणन जैसे दिग्गज शामिल थे। खासकर अर्जुन ने अंतिम दिन चार में से 3.5 अंक जुटाए, जबकि प्रणव ने अपनी चारों बाजियां जीतकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

कप्तान श्रीनाथ नारायणन ने बताया खास लम्हा : कप्तान श्रीनाथ नारायणन ने टीम की इस ऐतिहासिक जीत को खास बताते हुए कहा, ₹यह जीत बेहद खास है। ओलंपियाड में भले ही भारतीय टीम प्रबल दावेदार थी, लेकिन एमजीडी1 को यहां छुपा रुस्तम माना जा रहा था। ऐसे में यह स्वर्ण पदक और भी अधिक संतोषजनक है।

अंतिम स्कोर में बढ़त: टीम एमजीडी1 ने टूर्नामेंट में कुल 21 अंक अर्जित किए, जो टीम हेक्सामाइंड (20 अंक) से एक अंक अधिक रहा। विश्वनाथन आनंद की टीम फ्रीडम 17 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

चार गुणा 100 मीटर रिले स्पर्धाएं अहम खेलों की सूची में

नई दिल्ली, 14 जून। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हाल ही में मजबूत प्रदर्शन से उत्साहित होकर जापान में 2026 एशियाई खेलों के लिए पुरुषों और महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर रिले को प्राथमिकता वाली स्पर्धाओं में शामिल किया है। एएफआई के शीर्ष अधिकारियों को 19 सितंबर से चार अक्टूबर, 2026 तक ऐची–नागोया में आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में इन दोनों स्पर्धाओं में पदक की उम्मीद है।

आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता ने जीता स्वर्ण

म्यूनिख, 14 जून। भारतीय निशानेबाजी दल ने शनिवार को एक और बड़ी सफलता हासिल की जब आर्या बोरसे और अर्जुन बबूता की जोड़ी ने आईएसएसएफ विश्व कप 2025 की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने चीन के जिफेई वांग और लिहाओ शेंग को 17–7 से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय निशानेबाजों ने फाइनल में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और अहम मौके पर शानदार संयम और एकाग्रता दिखाते हुए चीनी जोड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

क्वालिफिकेशन का रोमांच: भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार 635.2 स्कोर किया, जिससे वे फाइनल में पहुंचे। हालांकि, चीन की जोड़ी 635.9 अंकों के साथ शीर्ष पर रही और यह स्कोर क्वालिफिकेशन का नया विश्व रिकॉर्ड भी बना।

आर्या का लगातार शानदार प्रदर्शन: आर्या बोरसे के लिए यह साल शानदार रहा है। वह इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में हुए विश्व कप में रुद्राक्ष पाटिल के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक भी जीत चुकी हैं।

आईएसएसएफ विश्व कप 2025 की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में मिला यह पदक

अन्य भारतीयों का प्रदर्शन: इलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव की जोड़ी ने 631.8 अंक बनाए और क्वालिफिकेशन में छठे स्थान पर रही, जिससे वे फाइनल में नहीं पहुंच सके।

भारत की पदक स्थिति: भारत का दूसरा स्वर्ण पदक और कुल चौथा पदक है। सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को स्वर्ण जीता था। सिफ्त कौर समरा और इलावेनिल वलारिवन ने इस सप्ताह व्यक्तिगत मुकाबलों में दो कांस्य पदक हासिल किए।

3 दिवसीय हैंडबॉल रेफरी क्लिनिक सह परीक्षा शुरू

नवादा, 14 जून (खेलढाबा)। बिहार हैंडबॉल संघ के तत्वाधान में तीन दिवसीय बिहार राज्य हैंडबॉल रेफरी क्लिनिक का उद्घाटन मॉडर्न इंगलिस स्कूल कुंती नगर नवादा में हुआ। जिसका उद्घाटन मॉडर्न शैक्षिक समूह के निदेशक डॉ अनुज सिंह , बिहार हैंडबॉल के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा एवम नवादा जिला हैंडबॉल के सचिव डॉ आर पी साहू ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन कर्ता डॉ अनुज ने अपने संबोधन में कहा कि खेल प्रतियोगिता के दौरान रेफरी की भूमिका अहम होती है ऐसे में राज्य स्तरीय रेफरी क्लिनिक में शामिल बिहार के विभिन्न जिला से आए महिला पुरुष 19 प्रतिभागियों को बेहतर तरीके से अध्ययन कर परीक्षा में शामिल हो अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। श्री मौके पर राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षक अलखदेव यादव , जिला हैंडबॉल के उपाध्यक्ष श्रवण कुमार बरनवाल , कोषाध्यक्ष शिव कुमार प्रसाद विद्यालय के उप प्राचार्य एम के विजय एव राकेश रंजन सहित अन्य थे। रेफरी क्लिनिक सह परीक्षा लेने के लिए हरियाणा से पहुँचे एनआईएस कोच महेश हुड्डा ने प्रथम दिन रेफरी क्लिनिक में शामिल सभी प्रशिक्षुओं को हैंडबॉल खेल नियम एवम उसकी बारीकियों से अवगत कराया । उनके साथ सहायक के रूप में उपस्थित नीतीश कुमार ने सहयोग किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए राज्य हैंडबॉल संघ के महासचिव ब्रजकिशोर शर्मा ने कहा कि 18 जून से नवादा में होने वाले 47 वी राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता के पूर्व आयोजित रेफरी क्लिनिक काफी महत्वपूर्ण है।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है: प्रसिद्ध कृष्णा

बेकेनहैम (ब्रिटेन), 14 जून। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है। प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज–मस्ती भी करें।'' उन्होंने कहा, ''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है।

नीरज चोपड़ा की निगाह पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक पर

पेरिस, 14 जून। लगातार दो प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहने के बाद स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा जब 20 जून को पिछले आठ साल में पहली बार पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे तो उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना होगा।

इस 27 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की राजधानी में आयोजित किए गए ओलंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले साल पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने अभी प्रतियोगियों की पूरी सूची प्रकाशित नहीं की है, लेकिन उन्होंने घोषणा की है कि चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उन पांच खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो पहले ही 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

चोपड़ा ने 2025 सत्र की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफ्स्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब के साथ की। यह एफ श्रेणी की मामूली प्रतियोगिता थी जिसमें उन्होंने 84.52 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने 16 मई को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ 90 मीटर के जादुई निशान को पार किया, लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहे। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा ने इसके एक सप्ताह बाद पोलैंड में जानूस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में 84.14 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ वेबर के बाद दूसरा स्थान प्राप्त किया। पेरिस डायमंड लीग के चार दिन बाद चोपड़ा 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग देंगे।

पाटलिपुत्र खेल परिसर में योग सप्ताह शुरू

पटना, 14 जून (खेलढाबा)। विश्व योग दिवस 21 जून के अवसर पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के इंडोर स्टेडियम में 14 से 21 जून तक आयोजित विशेष योग सप्ताह की आज शानदार शुरुआत हुई।

इस बात की जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय विश्व योग पीठ, मुंगेर के परमाचार्य योगगुरु स्वामी निरंजनानंद जी ने विशेष अनुरोध पर खिलाडियों के स्वास्थ्य और हित को ध्यान में रखते हुए कुछ विशेष आसनों की एक योजना बनाई है और उसी योजना के अनुसार आज से योग सप्ताह की शुरूआत हो गई है।

आज 200 से ज्यादा महिला, पुरुष खिलाड़ियों और विभिन्न खेलों के प्रशिक्षकों ने बिहार स्कूल ऑफ योग के स्वामी शिव ध्यानम सरस्वती के मार्गदर्शन में प्रातः 6 से 9 बजे तक योग का अभ्यास किया।

आज का योग कार्यक्रम खिलाड़ियों के अलावा समान्य लोगों के लिए भी बहुत महत्त्वपूर्ण था जिसमें 4 कैप्सूल – प्राणायाम, आसन, विश्राम और ध्यान से संबंधित आसनों का अभ्यास कराया गया।

आगे श्री शंकरण ने कहा कि आईआईटी दिल्ली से इंजीनियरिंग और एएमआईटी से मास्टर्स की डिग्री हासिल करने वाले स्वामी जी आधुनिक और पारंपरिक योग के विभिन्न आसनों और जीवनशैली में परिवर्तन कर अपने जीवन को स्वस्थ और सुखी बनाने के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर उपयोगी जानकारी भी आसन अभ्यास के साथ साथ लोगों से साझा करते हैं।

- विश्व योग दिवस के अवसर पर 14 से 21 जून तक मनाया जा रहा योग सप्ताह
- बिहार स्कूल ऑफ योग के स्वामी शिव ध्यानम सरस्वती के मार्गदर्शन में नि:शुल्क प्रात: 6 से 9 बजे तक चल रहा कार्यक्रम
- पहले दिन 200 से ज्यादा खिलाड़ी, प्रशिक्षक और प्राधिकरण के कर्मचारी रहे उपस्थित

कल से हर विधा के खिलाडियों के लिए विशेष रूप से तैयार आसनों के साथ अभ्यास होगा । खिलाड़ियों के हित में इन बातों का विशेष ध्यान रखा गया कि **1. कौन सा आसन किस खेल में मदद करेगा ,2. कौन सा प्राणायाम खिलाड़ी को खेल से पहले और खेल के दौरान प्रतिस्पर्धा की चिंता से राहत दिलाने में मदद करेगा, 3. मासिक धर्म के दौरान महिला खिलाड़ियों के लिए कुछ विशेष आसन तथा 4. खेल में हार के बाद शारीरिक और मानसिक रुप से वापसी में सहायक योगासन।**

योग और खेलकूद को मिलाकर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और शारीरिक तथा मानसिक क्षमता को सुदृढ़ करने वाला पहला राज्य बनने का गौरव बिहार को प्राप्त हुआ है।

इन योगासनों से संबंधित एक उच्चस्तरीय वीडियो बनाने की योजना है जिसके लिंक को क्लिक कर देश भर के खिलाड़ी अपनी बेहतरी के लिए इसका लाभ उठा सकेंगे।

बिहार पिट्ठू टीम घोषित

पटना, 14 जून। देहरादून (उत्तराखंड) में आगामी 18 से 20 जून तक आयोजित होने वाली द्वितीय जूनियर बालक व बालिका पिट्ठू नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली बिहार टीम की घोषणा कर दी गई है। यह जानकारी पिट्ठू एसोसिएशन ऑफ बिहार के सचिव राज कुमार सिंह ने दी। टीम को रिषि कुमार (कानूनी सलाहकार, बैंक ऑफ बड़ौदा) और राजेश्वरी कुमार (पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी ताइक्वांडो), कार्तिक कुमार मेहता और दीप नारायण प्रसाद ने जीत की शुभकामनाएं दी है।

टीम इस प्रकार है–

बालक वर्ग : अक्षत सिंह (कप्तान), रितिक कुमार (उपकप्तान), प्रकाश कुमार सिंह, आनंद कुमार, युवराज सिंह, नीतीश कुमार, कुमार ज्योतिरादित्य, सिद्धार्थ कुमार सिंह, धीरज कुमार, रंजन कुमार। कोच–निखिल कुमार सिंह। मैनेजर–अनमोल कुमार।

बालिका वर्ग : सुहानी कुमारी (कप्तान), रिया राय (उपकप्तान), अनुष्का यादव, जिया राय, अंतरा राज, प्रज्ञा सिंह, माही मृणाल। कोच–अंकित कुमार, मैनेजर–ममता कुमारी।

पटना जिला फुटबॉल टीम घोषित, मोहम्मद फैमी को कमान

पटना, 14 जून (खेलढाबा)। बिहार फुटबॉल संघ के तत्वावधान में खेली जा रही मोइनुल हक कप फॉर 72वीं राज्य फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल राउंड ग्रुप ए मुकाबले के लिए पटना जिला टीम की घोषणा कर दी गई है। यह जानकारी पटना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राम ईश्वर प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि संतोष ट्रॉफी प्लेयर मोहम्मद फैमी (सिविल ऑडिट) को टीम की कमान सौंपी गई है।

पटना का पहला मुकाबला 15 जून को बीएसएसए के खिलाफ खेला जायेगा। दूसरा मुकाबला बेगूसराय के खिलाफ 16 जून, तीसरा मुकाबला रोहतास के खिलाफ 18 जून और पूर्णिया के खिलाफ अंतिम मुकाबला खेला जायेगा।

टीम इस प्रकार है : मो फैमी, पीयूष कुमार (दोनों गोलकीपर), आकाश कुमार सिंह, गौतम कुमार, मो दिलशेर, पीयूष शिकरावर, लॉरेंस टुडू, अंकित कुमार, अजय कुमार, ईश्वर चंद्रा आइच, दिलीप कुमार, अमर कुमार यादव, आरिफ खान, दिनेश एरोन, सहर्ष कुमार, सनी कुमार टुडू, आरिफ सिद्दिकी, विजय हेम्ब्र, मोहम्मद नसीम खान, तौहिद अहमद। कोच–सत्येंद्र कुमार। मैनेजर–कौशल कुमार सिंह।

ग्रुप ए कार्यक्रम इस प्रकार है

15 जून : पटना बनाम बीएसएसए, बेगूसराय बनाम रोहतास। 16 जून : पूर्णिया बनाम रोहतास, पटना बनाम बेगूसराय। 17 जून : रोहतास बनाम बीएसएसए, बेगूसराय बनाम पूर्णिया। 18 जून : रोहतास बनाम पटना, पूर्णिया बनाम बीएसएसए। 19 जूनः पटना बनाम पूर्णिया, बेगूसराय बनाम बीएसएसए।